ओडिशा में विश्व की पहली मेलानिस्टिक टाइगर सफारी

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

ओडिशा द्वारा [सिमिलीपाल टाइगर रिज़र्व (STR)](#) के निकट स्थापित **विश्व की पहली मेलानिस्टिक टाइगर सफारी** का अनावरण किया जाएगा।

मेलानिस्टिक टाइगर सफारी के लिये ओडिशा का दृष्टिकोण :

- **मेलानिज़्म तथा मेलानिस्टिक टाइगर:** मेलानिज़्म एक आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप मेलानिन की मात्रा बढ़ जाती है जिससे जानवरों की त्वचा अथवा बालों का रंग **लगभग या पूरी तरह से काला** होता है।
  - **सिमिलीपाल के रॉयल बंगाल टाइगर्स** का संबंध एक विशेष वंश से है जिनमें मेलानिन की अत्यधिक मात्रा होती है जिसके परिणामस्वरूप बाघों के शरीर पर काली तथा पीली अंतर-छिद्रित धारियाँ विकसित होती हैं जो उन्हें स्यूडो अथवा छद्म-मेलानिस्टिक बनाते हैं।
    - [अखिल भारतीय बाघ अनुमान, 2022](#) के अनुसार सिमिलीपाल टाइगर रिज़र्व में 16 बाघ हैं जिनमें से 10 मेलानिस्टिक गुण हैं।
- **सफारी की अवस्थिति: धनबाद-बालासोर राष्ट्रीय राजमार्ग-18** के निकट लगभग 200 हेक्टेयर में विस्तरित यह सफारी स्थल STR के समीप स्थित है जिसका परिदृश्य सिमिलीपाल के सामान है।
  - प्रारंभ में **सफारी के परिबद्ध घेरे में, नंदनकानन चिड़ियाघर** के तीन मेलानिस्टिक बाघ के साथ-साथ अन्य बचाए गए अथवा अनाथ बाघों को रखा जाएगा।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य मेलानिस्टिक बाघों की संरक्षण आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, शोधकर्त्ताओं तथा इच्छुक लोगों को इन दुर्लभ बड़ी बिल्लियों के साथ जुड़ने के लिये एक मंच प्रदान करना है।
- **अनुमोदन:** इस परियोजना के लिये [केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण](#) तथा देश में वन्यजीव पहल की देखरेख करने वाले अन्य नियामक निकायों से अनुमोदन की आवश्यकता है।
  - [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण समिति](#) द्वारा अंतिम मंज़ूरी देने से पूर्व इस प्रस्तावित स्थल का व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन किया जाएगा।

बाघों में अन्य रंग भिन्नताएँ क्या हैं?

- **काली अथवा भूरी धारियों वाला ऑरेंज टाइगर:** यह बाघ का सबसे सामान्य तथा व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त प्रकार है। **उदाहरणार्थ रॉयल बंगाल टाइगर।**
  - प्रत्येक बाघ का धारी पैटर्न अद्वितीय होता है जो प्राकृतिक आवास में छद्मावरण (Camouflage) के रूप में कार्य करता है।
- **व्हाइट टाइगर: उन्हें एक अलग उप-प्रजाति नहीं माना जाता है। व्हाइट टाइगर के फर का रंग ल्यूसिज़्म नामक आनुवंशिक उत्परिवर्तन का परिणाम है।**
  - **ल्यूसिज़्म** एक आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप **जानवरों में रंजकता कम** हो जाती है, जिससे उनकी **त्वचा अथवा शल्क सफेद या हल्के रंग** के हो जाते हैं।
- [गोल्डन टाइगर](#)**: इन्हें बाघों की उप-प्रजाति भी नहीं माना जाता है क्योंकि उनके सुनहरे रंग में भिन्नता "वाइडबैंड" नामक एक अप्रभावी जीन की उपस्थिति के कारण होती है।**
  - **वाइडबैंड जीन बालों के विकास के चक्र के दौरान मेलेनिन उत्पादन** को कम कर देता है।
  - हाल ही में इसे **काज़ीरंगा नेशनल पार्क** में देखा गया।

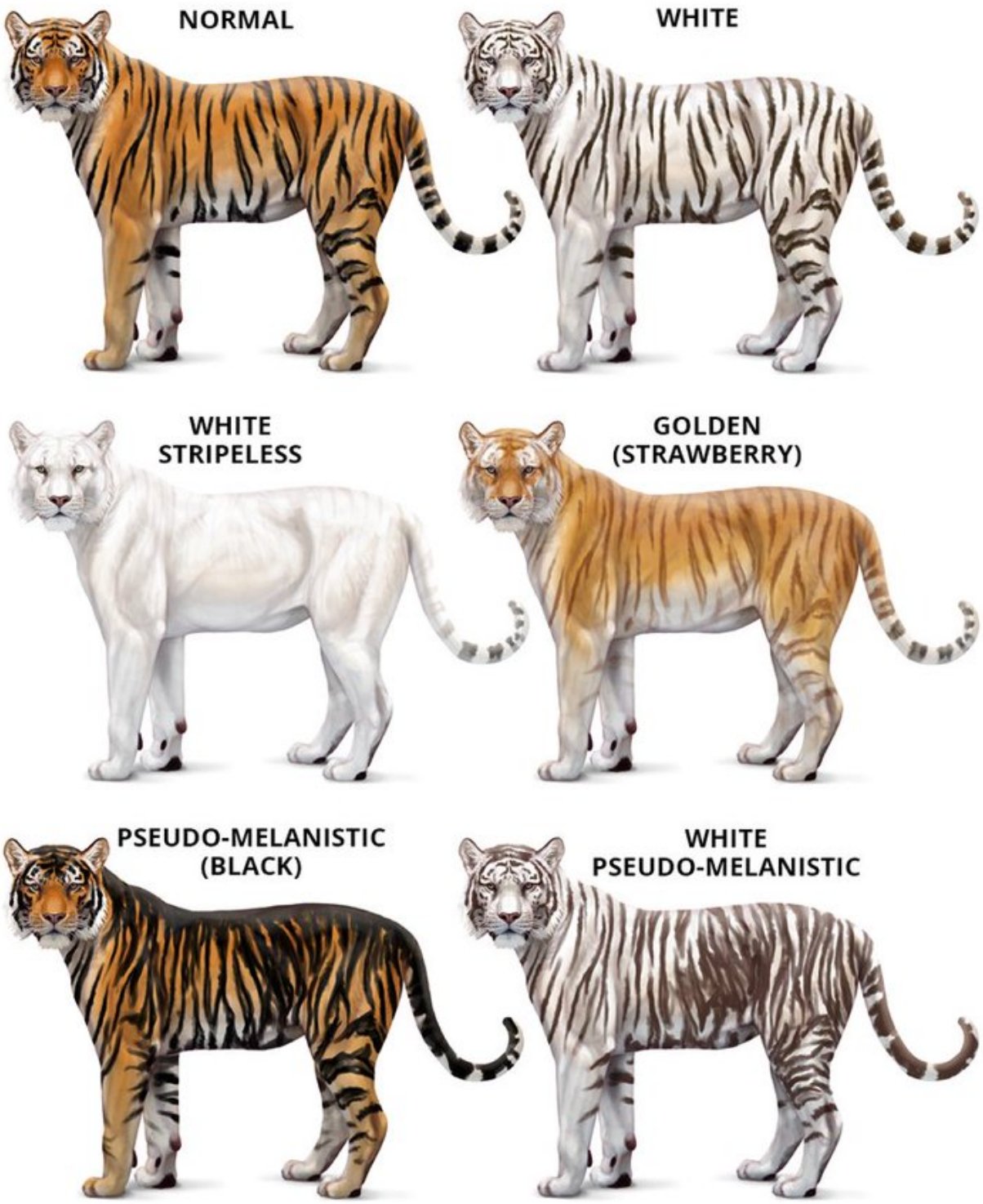

// MONIKA ZAGROBELNA

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- **CITES :** परिशिष्ट-I
- **WPA 1972 :** अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

समिलीपाल टाइगर रिज़र्व:

- **अवस्थिति:** समिलीपाल दक्कन प्रायद्वीप जैव-भौगोलिक क्षेत्र में स्थित है।
- **वनस्पतियाँ:** इसमें उष्णकटिबंधीय अर्द्ध-सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती पहाड़ी वन और विशाल घास के मैदान मौजूद हैं।

- **फ्लोरा**: भारत के 7% फूल वाले पौधे और 8% ऑर्कडि प्रजातियाँ यहीं हैं।
- **वनस्पति और जीव:** 55 स्तनपायी प्रजातियाँ, 361 पक्षी प्रजातियाँ, 62 सरीसृप प्रजातियाँ, 21 उभयचर प्रजातियाँ और असंख्य कीड़े तथा सूक्ष्म जीवों का घर।
    - बाघों के अलावा प्रमुख प्रजातियों में **सांभर, चीतल, भौंकने वाला हरिण, गौर और माउस हरिण, तेंदुए, मछली** पकड़ने वाली **बिल्ली** आदि शामिल हैं।
    - प्रबंधन प्रयासों ने *[illegible]* के किनारे **मगरमच्छों की आबादी** को पुनर्जीवित कर दिया है।
- इसे वर्ष 2009 से **ग्लोबल नेटवर्क ऑफ बायोस्फियर** साइट के रूप में भी नामित किया गया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान	**-**	**पार्क से बहने वाली नदी**
1. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान	-	गंगा
2. काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	-	मानस
3. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान	-	कावेरी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. निम्नलिखित बाघ आरक्षित क्षेत्रों में से "क्रांतिक बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है? (2020)

(a) कॉर्बेट
(b) रणथंभौर
(c) नागार्जुनसागर-श्रीशैलम
(d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

[illegible]:

प्रश्न. "विभिन्न प्रतिस्पर्द्धी क्षेत्रों और हितधारकों के बीच नीतिगत विरोधाभासों के परिणामस्वरूप पर्यावरण के अपर्याप्त 'संरक्षण एवं गिरावट की रोकथाम' हुई है।" प्रासंगिक दृष्टांतों के साथ टिप्पणी कीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-first-melanistic-tiger-safari-in-odisha